Non-Verbal Communication
अशाब्दिक संचार

PRESENTED BY

DR. ARCHANA BHARTI
GUEST FACULTY, MJMC

SEM-1, PAPER- 101

DATE- 04/08/2021

Non-Verbal Communication

- अशाब्दिक सम्प्रेषण, सम्प्रेषण की ऐसी प्रक्रिया है जिसके अंतर्गत हम अपने विचारों, भावनाओं और अभिव्यक्तियों को बिना शब्दों के प्रयोग करके व्यक्त करते हैं।
- अशाब्दिक सम्प्रेषण की परम्परा प्राचीन समय से ही हमारे समाज में मौजूद है और आज भी किसी न किसी रूप में इसका उपयोग हो रहा है।
- नृत्य कला ने अशाब्दिक सम्प्रेषण को समृद्ध करने में काफी योगदान दिया है।

Non-Verbal Communication

- कत्थक, कथकली, भरत नाट्यम, ओडिसी, नौटंकी, मूक अभिनय, मणिपुरी आदि विभिन्न प्रकार की नृत्य शैलियां शब्दों के बिना भाव–भंगिमाओं और मुद्राओं द्वारा अपने विचारों को व्यक्त करते हैं।
- नृत्यों द्वारा विभिन्न रसों–श्रृंगार, वीर, रौद्र, हास्य, करूणा आदि की अभिव्यक्ति अशाब्दिक संचार की बहुमूल्य देन है।
- दृश्य सम्प्रेषण के रूप में चिह्न और प्रतीक, मुखौटे, यातायात संकेत, ध्वज, विज्ञापन, ध्वज पर बने चित्र आदि किसी न किसी संदेश एवं विचार से युक्त होते हैं।

Non-Verbal Communication

- मानव इन अशाब्दिक संकेतों का प्रयोग आदिकाल से ही संचार के लिए कर रहा है।
- शारीरिक भाव–भंगिमाएं और मुख मण्डलीय अभिव्यक्तियॉं, प्रदर्शन के तरीके संदेश को और अधिक प्रभावी बनाते हैं।
- अंग संचालन और भाव–भंगिमाओं की भाषा उतनी ही जटिल होती है जितनी मौखिक या लिखित भाषा।
- अशाब्दिक संकेत में कोई क्रिया या मुद्रा हो सकती है।
- सभी लोग अशाब्दिक सम्प्रेषण का समान रूप से उपयोग नहीं कर सकते हैं।

Non-Verbal Communication

- अशाब्दिक सम्प्रेषण की यह प्रक्रिया मानवीय सम्प्रेषण प्रक्रिया में मूकों और बधिरों के लिए अधिक उपयोगी होता है।
- अशाब्दिक सम्प्रेषण का भावनात्मक प्रभाव भी होता है। सम्प्रेषण की यह प्रक्रिया सामान्यतया निर्देशात्मक होती है।
- फीडबैक अथवा प्रतिपुष्टि जो सम्प्रेषण प्रक्रिया का अनिवार्य तत्व या घटक है इसकी प्राप्ति भी अशाब्दिक सम्प्रेषण में संकेतों के माध्यम से हो सकती है।

Non-Verbal Communication

- शाब्दिक सम्प्रेषण में संदेशों के बीच में एक अंतराल अथवा गैप होता है तो अशाब्दिक सम्प्रेषण श्रोताओं और दर्शकों की ओर से तुरंत प्रतिक्रिया करा देता है।
- फीडबैक मूल कथन को स्पष्ट करने, बदलने या अधिक विस्तृत बनाने में सहायक होता है।
- अशाब्दिक संचार से मौखिक संचार प्रभावी बनता है।
- अतः शब्द रहित संचार अशाब्दिक संचार है जिसके अंतर्गत विचारों और भावनाओं को संकेतों के आधार पर संचारक अपनी बात को प्रापक तक पहुंचाता है।

Non-Verbal Communication

- अशाब्दिक सम्प्रेषण के प्रमुख माध्यम निम्नलिखित है–

    शारीरिक मुद्रा

    वेशभूषा

    स्पर्श

    निकटता

    व्यक्तित्व

    संपर्क

    आंखों की गति आदि।